बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 24 ● अंक: 165 ● नई दिल्ली ● बुधवार 15 अप्रैल 2026 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 4

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन

बी-2/370, सुल्तानपुरी

दिल्ली-86

दिल्ली में एलपीजी संकट गहराया- समय पर नहीं मिल रहे सिलेंडर; गैस बुकिंग कराने के बाद भी कई दिन करना पड़ रहा इंतजार

नई दिल्ली । राजधानी में बुकिंग के बाद भी कई लोगों की शिकायत है कि सिलिंडर नहीं मिल रहा है। इसकी वजह से रसोई का कामकाज बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। रही सही कसर कालाबाजारी ने खराब कर दी है। मजबूर उपभोक्ता अधिक कीमत देकर सिलिंडर लेने के लिए मजबूर हैं। पूर्वी दिल्ली के, शाहदरा, सीलमपुर, विवेक विहार, आनंद विहार, यमुनाविहार व खजूरी क्षेत्र में लोगों ने बताया कि गैस एजेंसियों के चक्कर लगाने के बावजूद कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिल रहा। एजेंसी संचालक सप्लाई में कमी का हवाला देकर पल्ला झाड़ रहे हैं। उपभोक्ताओं का आरोप है कि जानबूझकर सप्लाई धीमी की जा रही है। उपभोक्ताओं का कहना है कि गैस बुकिंग कराने के बाद भी उन्हें कई दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा है।

अंबेडकर जयंती पर सौगात-सीएम रेखा गुप्ता ने शालीमार बाग में वॉटर एटीएम का किया उद्घाटन

नई दिल्ली।

भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्लीवासियों को स्वच्छ जल का उपहार दिया है। मुख्यमंत्री ने शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जीपी ब्लॉक और बेरीवाला बाग ब्लॉक सहित विभिन्न सेवा बस्तियों में अत्याधुनिक वॉटर एटीएम का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने बाबासाहेब को नमन करते हुए कहा कि डॉ. अंबेडकर द्वारा रचित संविधान हर नागरिक को सम्मानजनक जीवन और मूलभूत सुविधाओं का अधिकार देता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि जनता का अधिकार है और यह पहल इसी संकल्प को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि हर गरीब और वंचित परिवार तक स्वच्छ जल सम्मानपूर्वक पहुंचे। तकनीक और गवर्नेंस का यह मेल लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाएगा। भारतरत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी ने हमें ऐसा संविधान दिया, जिसमें मूलभूत सुविधाएं हर नागरिक का अधिकार हैं। आज उनकी जयंती के अवसर पर, शालीमार बाग विधानसभा के GP ब्लॉक एवं बेरीवाला बाग ब्लॉक में वॉटर एटीएम का उद्घाटन उसी संकल्प का एक जीवंत विस्तार है।

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि वार्ड संख्या 55, 56 और 57 के सात अलग-अलग स्थानों पर ये वॉटर एटीएम स्थापित किए गए हैं। विशेष रूप से पीतमपुरा और शालीमार बाग की सेवा बस्तियों में रहने वाले परिवारों को अब पीने के साफ पानी के लिए संघर्ष नहीं करना पड़ेगा। इन वॉटर एटीएम को नवीनतम तकनीक से लैस किया गया है ताकि गुणवत्ता और उपलब्धता बनी रहे। प्रत्येक एटीएम प्रति घंटे 2000 लीटर शुद्ध पानी उपलब्ध कराने में सक्षम है। 5-स्टेज RO तकनीक के जरिए 3000 TDS तक के खारे पानी को भी पीने योग्य बनाया जाएगा। प्रत्येक व्यक्ति को एक वॉटर एटीएम कार्ड जारी किया जाएगा, जिसके माध्यम से वे प्रतिदिन 20 लीटर मुफ्त पेयजल प्राप्त कर सकेंगे। पानी की गुणवत्ता और मशीनों के सुचारू संचालन के लिए 24म7 क्लाउड मॉनिटरिंग की व्यवस्था की गई है।

ब्रिगेडियर और बेटे पर हमला- दिल्ली पुलिस का एक्शन, दो आरोपी सतेंदर और संजय गिरफ्तार

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली के वसंत विहार स्थित वसंत एनक्लेव में आर्मी के ब्रिगेडियर और उनके बेटे से मारपीट के मामले में पुलिस ने बड़ा एक्शन लिया है। घटना में शामिल मर्सिडीज कार में बैठे दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही वारदात में इस्तेमाल की गई लग्जरी कार को भी जब्त कर लिया गया है। फिलहाल दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी है।

कौन हैं दोनों आरोपी?

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सतेंदर उर्फ सोनू (49) और संजय शर्मा (56) के रूप में हुई है। सतेंदर महरम नगर का रहने वाला है और 'चौधरी एविएशन प्राइवेट लिमिटेड' नाम की कंपनी में डायरेक्टर है, जो चार्टर्ड और कार्गो फ्लाइट सेवाओं के साथ विमान और उनके पार्ट्स की खरीद-फरोख्त का काम करती है। वहीं संजय शर्मा महरम नगर में 'पंडित जी ढाबा' चलाता है।

क्या था पूरा मामला?

11 अप्रैल की रात करीब 10 बजे ब्रिगेडियर परमिंदर सिंह अरोड़ा अपने बेटे तेजस और पत्नी नताशा के साथ घर के बाहर टहल रहे थे। इसी दौरान उन्होंने एक मर्सिडीज कार में बैठे दो युवकों को खुलेआम शराब पीते देखा। ब्रिगेडियर द्वारा विरोध करने पर कहासुनी शुरू हो गई। आरोप है कि कुछ ही देर में दोनों युवकों ने अपने साथियों को बुला लिया। देखते ही देखते 7-8 अन्य लोग कई गाड़ियों में मौके पर पहुंचे और ब्रिगेडियर के बेटे पर हमला कर दिया। बेटे को बचाने पहुंचे ब्रिगेडियर के साथ भी मारपीट की गई।

पुलिस पर भी उठे सवाल

पीड़ित परिवार ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ब्रिगेडियर की पत्नी नताशा के अनुसार, 112 पर कॉल करने के बाद पीसीआर वैन मौके पर पहुंची, लेकिन पुलिसकर्मी हमलावरों को रोकने के बजाय मूकदर्शक बने रहे। घटना के बाद परिवार थाने पहुंचा, जहां भी उन्हें तुरंत राहत नहीं मिली। बेटे को यादा चोट लगने के कारण ब्रिगेडियर उसे आर्मी अस्पताल ले गए, जबकि उनकी पत्नी काफी देर तक थाने में शिकायत के लिए बैठी रहीं। आरोप है कि पुलिस ने दो दिन बाद एफआईआर दर्ज की, जब घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ।

पुलिस का एक्शन

मामले में लापरवाही बरतने पर संबंधित थानाध्यक्ष को लाइन हाजिर किया जा चुका है। दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए कहा कि मामले की जांच जारी है और अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

महिला आरक्षण संबंधी विधेयक सांसदों को नहीं दिया जाना बुलडोजर मानसिकता- कांग्रेस

नई दिल्ली ।कांग्रेस ने मंगलवार को दावा किया कि संसद की तीन दिवसीय बैठक शुरू होने से दो दिन पहले तक महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन और परिसीमन से संबंधित विधेयकों की प्रतियां सांसदों को साझा नहीं किया जाना लोकतंत्र का मजाक बनाना तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बुलडोजर मानसिकता का परिचायक है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री की हालिया टिप्पणी को लेकर कटाक्ष करते हुए कहा कि जो कभी अपने आप को नॉन-बायलॉजिकल मानते थे, वह अब कह रहे हैं कि गृहस्थ नहीं हैं। संसद के बजट सत्र से तहत दोनों सदनों की तीन दिवसीय बैठक 16, 17 और 18 अप्रैल को होगी। सरकार इस दौरान नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन और परिसीमन से जुड़े विधेयक लाने की तैयारी में है। रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, ÷संसद का विशेष सत्र परसों, 16 अप्रैल से शुरू होगा, वह भी उस समय जब तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार अपने चरम पर होगा। संसद का विशेष सत्र परसों, 16 अप्रैल से शुरू होगा-जब तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार अपने चरम पर होगा। मोदी सरकार ने चुनाव खत्म होने के बाद (आज से पंद्रह दिन बाद) सर्वदलीय बैठक बुलाने की विपक्ष की बिल्कुल सही और जायज़ मांग को खारिज कर दिया है। मोदी सरकार ने चुनाव खत्म होने के बाद (आज से पंद्रह दिन बाद) सर्वदलीय बैठक बुलाने की विपक्ष की बिल्कुल सही और जायज़ मांग को खारिज कर दिया है।

उन्होंने कहा, आज सुबह तक भी मोदी सरकार ने सांसदों के साथ उन संविधान संशोधन विधेयकों को साझा नहीं किया है, जिन पर उन्हें चर्चा और मतदान करना है। यह लोकतंत्र का पूरी तरह मजाक उड़ाने जैसा है और प्रधानमंत्री की बुलडोजर मानसिकता को दिखाता है, जो कभी खुद को नॉन- बायलॉजिकल बताते थे और अब कहते हैं कि वे गृहस्थ नहीं हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को एक महिला सम्मेलन में कहा था कि वित्तीय सशक्तीकरण ने महिलाओं को परिवार में अधिक अधिकार दिये हैं, जिन्हें परंपरागत रूप से हाशिए पर रखा गया था। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में यह भी कहा था कि भले ही वह गृहस्थ÷ नहीं हैं, लेकिन इससे पूरी तरह अवगत हैं। लोकसभा में कांग्रेस के सचेतक मणिकम टैगोर ने भी तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार के बीच संसद का विशेष सत्र आयोजित करने को लेकर सरकार की आलोचना की। टैगोर ने कहा, चुनाव के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाने की उचित मांग खारिज कर दी गई है। अब भी, सांसदों को संविधान संशोधन विधेयक की प्रति नहीं दी गई है। यह लोकतंत्र नहीं है। यह बुलडोजर शासन है। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी हमेशा महिला आरक्षण के लिए मजबूती से खड़ी रही है, यह पारित और तय हो चुका है। लेकिन परिसीमन कहीं अधिक संवेदनशील प्रक्रिया है जिसके लिए व्यापक परामर्श, आम सहमति और पारदर्शिता की आवश्यकता है। टैगोर ने दावा किया, इसके बजाय हम जो देख रहे हैं वह यह है कि चीजों को गोपनीय रखा जा रहा है और खारिज किया जा रहा है। पिछड़े वर्ग की 150 से अधिक महिलाओं को प्रतिनिधित्व से वंचित किया जा रहा है, जो उचित जातिगत डेटा और उचित प्रक्रिया का पालन किए जाने से लोकसभा में प्रवेश कर सकती थीं। उन्होंने कहा, संसद कोई रबर स्टांप नहीं है। यह लोगों की आवाज की नींव है। इसे कमजोर करना भारत के विचार को कमजोर करता है। मुख्य विपक्षी दल निरंतर यह आरोप लगा रही है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के विधानसभा चुनावों में फायदा हासिल करने के मकसद से यह कदम उठा रही है। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने सोमवार को एक लेख में कहा था कि महिला आरक्षण असल मुद्दा नहीं है, बल्कि प्रस्तावित परिसीमन मुद्दा है क्योंकि यह खतरनाक और संविधान पर हमला है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री की हालिया टिप्पणी को लेकर कटाक्ष करते हुए कहा कि जो कभी अपने आप को नॉन-बायलॉजिकल मानते थे, वह अब कह रहे हैं कि गृहस्थ नहीं हैं। संसद के बजट सत्र से तहत दोनों सदनों की तीन दिवसीय बैठक 16, 17 और 18 अप्रैल को होगी। सरकार इस दौरान नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन और परिसीमन से जुड़े विधेयक लाने की तैयारी में है।

मोदी सरकार का बड़ा फैसला, लोकसभा में अब होंगी 850 सीटें, सांसदों को दिए गए नए बिलों के मसौदे

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने लोकसभा का व्यापक विस्तार प्रस्तावित किया है, जिसके तहत सीटों की कुल संख्या 543 से बढ़ाकर 850 की जाएगी। सरकार ने सांसदों को विधेयक का मसौदा भी भेजा है। प्रस्ताव के अनुसार, 850 सीटों में से 815 सीटें रायों के लिए आरक्षित होंगी, जबकि 35 सीटें केंद्र शासित प्रदेशों के लिए आरक्षित होंगी। संविधान में संशोधन की संभावित प्रक्रिया से पहले सरकार ने सांसदों के साथ विधेयक का मसौदा साझा किया है। इस कदम से संसदीय प्रतिनिधित्व में महत्वपूर्ण बदलाव आने की उम्मीद है, जो 2029 के आम चुनावों से प्रभावी होंगे। संसद का बजट सत्र बढ़ा दिया गया है और इस दौरान तीन दिन का विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा। इस सत्र में संसद की संख्या बढ़ाने से संबंधित प्रस्तावित संवैधानिक संशोधनों पर चर्चा और उन्हें पारित करने की संभावना है। संविधान लागू होने के बाद लोकसभा में 850 सदस्य हो जाएंगे, जो इसकी वर्तमान संख्या 543 से काफी अधिक है। विपक्ष सरकार के परिसीमन प्रयासों, विशेष रूप से 2011 की जनगणना के आंकड़ों के उपयोग को चुनौती देने की तैयारी में है। आम आदमी पार्टी , आरजेडी और डीएमके सहित कई दलों का तर्क है कि परिसीमन 2021 की जनगणना के अद्यतन आंकड़ों पर आधारित होना चाहिए। सूत्रों के अनुसार, कई इंडिया ब्लॉक दल पिछड़े वर्गों की महिलाओं के लिए ÷कोटा के भीतर कोटा÷ की लंबे समय से चली आ रही मांग पर स्पष्टीकरण भी मांग सकते हैं। आप सहित विपक्षी नेताओं और सहयोगियों की एक रणनीति बैठक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे के दिल्ली स्थित आवास पर निर्धारित है। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में सत्ता में काबिज टीएमसी और डीएमके के नेताओं के भी बैठक में शामिल होने की संभावना है। तृणमूल से कांग्रेस सांसद डेरेक ओब्रायन ने सरकार के इरादे पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रस्तावित संशोधन महिलाओं के आरक्षण को लागू करने के बजाय परिसीमन पर अधिक केंद्रित हैं। उन्होंने पूछा,संवैधानिक संशोधन विधेयकों पर 16 अप्रैल को चर्चा होनी है। विधेयक की प्रति कहां है?÷ उन्होंने राय चुनावों से कुछ सप्ताह पहले बुलाए गए सत्र के समय पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि भाजपा को संवैधानिक संशोधनों को पारित करने के लिए विपक्ष के समर्थन की आवश्यकता होगी, जिसके लिए संसद में दो-तिहाई बहुमत आवश्यक है। विपक्षी दल अपनी मांगों को आगे बढ़ाने और सरकार से अधिक स्पष्टता प्राप्त करने के लिए इसी आवश्यकता पर भरोसा कर रहा है।

ईरान की अब्बा और अमेरिका की कुट्टी

खाड़ी में अब्बा होते होते रह गई। नहीं समझे! जब हम छोटे बच्चे थे, बड़ी शरारत करते थे, तब हम लड़ाई होने को कुट्टी कहते थे और सुलह होने को अब्बा। तो खाड़ी में ईरान- अमेरिका की अब्बा होनी थी जो नहीं हो पाई। हो सकता है आप लोग बचपन में इसे कुट्टी और अब्बा नहीं, कुछ और कहते रहे हों पर हम तो लड़ाई होने को कुट्टी और सुलह को अब्बा ही कहते थे। यह कुट्टी और अब्बा बिल्कुल हमारे बचपन के जैसी ही रही। पहले कुट्टी, फिर अब्बा, फिर कुट्टी। मेरे लेख लिखते लिखते ही, या इसके छपने से पहले ही, या फिर आपके इसके पढ़ने से पहले ही फिर अब्बा हो जाए। और हो यह भी सकता है कि अब कुट्टी लम्बी चले। लम्बी चली तो सबके के लिए बुरा है। अमेरिका बिल्कुल ऐसे ही करता है जैसे हम अखलाक़ के साथ करते हैं। अखलाक़ याद तो है ना आपको।

कैसे उसके घर में, फ्रिज में रखे मीट को बीफ (गौवंश का मीट) बता कर उसे मार दिया गया। अमेरिका ने बिल्कुल ऐसा ही इराक के साथ किया था। कहा, सारी दुनिया से कहा कि इराक के पास रासायनिक हथियारों का जखीरा है। बहुत सारे जैविक हथियार भी हैं। इराक संसार के लिए खतरा है। और इस बहाने इराक पर कब्जा कर लिया। जब इराक पर कब्जा कर लिया तो पाया कि वहां तो कुछ भी नहीं है। न कोई रासायनिक हथियार और न ही कोई जैविक हथियार। बिल्कुल वही अखलाक़ वाला केस। जब अखलाक़ को मारने के बाद उसके फ्रिज में रखे मीट की जाँच की गई तो वह भी बीफ नहीं, साधारण मीट निकला। अब यही वह ईरान के साथ दोहरा रहा है। कह रहा है, ईरान दुनिया के लिए खतरा है। उसके पास परमाणु बम है। जैसे हम किसी का भी टिफिन खोल चेक कर लेते हैं, किसी भी ट्रक में भरे मवेशियों को चेक के लेते हैं, अमेरिका भी चाहता है कि ईरान भी अपने परमाणु संयन्त्र चेक करवाये। नहीं करवाये तो युद्ध झेले। जैसे हम अपने वालों को आतंकवादी नहीं कह सकते हैं, वैसे ही हम अमेरिका, इजराइल को आतंकवादी नहीं कह सकते हैं। पर हैं दोनों ही आतंकवादी। खैर, इस लड़ाई के दौरान मैं पूरा देशभक्त बना रहा। बल्कि पहले से अधिक देशप्रेमी बना रहा। सरकार जी ने कहा था कि देश में एलपीजी की कमी नहीं है तो मान लिया। कहीं रसोई गैस के सिलेंडर के लिए लोगों को लाइन में लगा देखा तो उन्हें देशद्रोही मान उधर से निगाहें फेर लीं। पेट्रोल पंपो पर भीड़ देखी तो सरकार जी पर नहीं, लोगों पर गुस्सा आया। सरकार जी से कोई शिकायत नहीं की। सरकार जी के प्रताप से देश में इतनी उन्नति हो गई है, इतना पैसा आ गया है कि सरकार जी ने दोनों तरह का सिलेंडर महंगा कर दिया है फिर भी कोई माई के लाल ने विरोध नहीं किया। लोग हज़ार का सिलेंडर चार हज़ार में खरीद रहे हैं पर चूँ भी नहीं कर रहे हैं। घर में काम करने वाली बाई जब गैस का सिलेंडर न मिलने का रोना रोने लगी तो मैंने उसे डांट दिया। उसे देशद्रोही कह दिया। उससे कहा कि जब सरकार जी अठारह घंटे केवल मशरूम और काजू बादाम खा कर काम कर सकते हैं, तो क्या तुम कुछ दिन बिना खाना पकाये चार छह घंटे काम नहीं कर सकतीं। जब देश का सैनिक सियाचिन में...। तो क्या तुम देश के लिए महंगा सिलेंडर नहीं खरीद सकतीं। वह बेचारा गैस सिलेंडर की एजेंसी वाला तो ब्लैक में सिलेंडर बेच सरकार जी की लाइन पर ही काम कर रहा है। आपदा में अवसर ढूंढ रहा है। शायद पहली बार हम आक्रमण करने वालों के साथ खड़े हैं। देश की यही नीति बन गई है। देश के भीतर हम अखलाक़ और पहलू खान की लिंचिंग करने वालों के साथ खड़े होते हैं, इंस्पेक्टर सुबोध को मारने वालों के साथ खड़े होते हैं। देश के बाहर हम अमेरिका, इजराइल के साथ खड़े होते हैं, ईरान में 170 बच्चों को मारने वालों के साथ खड़े होते हैं, ग़ज़ा में हज़ारों बच्चों को मारने वालों के साथ खड़े होते हैं। बात तो हम अपने बचपन की कर रहे थे पर आ गए खाड़ी युद्ध पर। बचपन में जो भी हमारी कुट्टी को खत्म कर अब्बा करवाता था, बीच बचाव करता था, उसको हमने कभी भी दलाल नहीं कहा। हमने भी कई बार सुलह करवाई थी पर दलाल कभी नहीं माने गए। पर आजकल सुलह करवाने वाले दलाल माने जा रहे हैं। समय के साथ, शासक ही नहीं, शब्दों के अर्थ भी बदल गए हैं।

सम्पादकीय...

न्यूनतम मजदूरी में बढ़ोतरी: श्रमिक असंतोष के बाद उत्तर प्रदेश सरकार का बड़ा कदम

हाल ही में नोएडा में हुए श्रमिक असंतोष के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए सभी श्रेणी के श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने की घोषणा की है। यह नई दरें 1 अप्रैल से प्रभावी मानी जाएंगी, जिससे लाखों श्रमिकों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। सरकार का यह कदम ऐसे समय में आया है जब औद्योगिक क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिक लंबे समय से वेतन वृद्धि की मांग कर रहे थे। बढ़ती महंगाई, जीवन-यापन की लागत में इजाफा और अस्थिर रोजगार की स्थिति ने श्रमिक वर्ग के सामने गंभीर चुनौतियां खड़ी कर दी थीं। नोएडा में हाल ही में हुए विरोध प्रदर्शनों ने इन समस्याओं को उजागर किया, जिसके बाद सरकार को त्वरित कार्रवाई करनी पड़ी। न्यूनतम मजदूरी में यह वृद्धि अकुशल, अर्ध-कुशल और कुशल सभी प्रकार के श्रमिकों पर लागू होगी। अधिकारियों के अनुसार, यह फैसला श्रमिकों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने और औद्योगिक शांति बनाए रखने के उद्देश्य से लिया गया है। साथ ही, इसे राज्य की अर्थव्यवस्था को संतुलित बनाए रखने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि मजदूरी बढ़ाने से श्रमिकों की क्रय शक्ति में वृद्धि होगी, जिससे स्थानीय बाजारों में मांग बढ़ेगी और आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी। हालांकि, उद्योग जगत के कुछ प्रतिनिधियों ने इस फैसले को लेकर चिंता भी जताई है। उनका कहना है कि इससे उत्पादन लागत बढ़ेगी, जिसका असर छोटे और मध्यम उद्योगों पर पड़ सकता है। फिर भी, सामाजिक दृष्टिकोण से यह निर्णय एक सकारात्मक पहल के रूप में देखा जा रहा है। लंबे समय से श्रमिक वर्ग अपने अधिकारों और बेहतर वेतन के लिए संघर्ष कर रहा था। ऐसे में सरकार द्वारा उनकी मांगों को स्वीकार करना न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को सुधारने की दिशा में कदम है, बल्कि यह सामाजिक न्याय की अवधारणा को भी मजबूत करता है। यह भी उल्लेखनीय है कि सरकार ने इस फैसले को पूर्व प्रभाव से लागू किया है, यानी 1 अप्रैल से ही नई दरों के अनुसार भुगतान किया जाएगा। इससे श्रमिकों को पिछली अवधि का भी लाभ मिलेगा, जो उनके लिए एक अतिरिक्त राहत के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, इस निर्णय की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसका क्रियान्वयन कितनी प्रभावी ढंग से किया जाता है। अक्सर देखा गया है कि न्यूनतम मजदूरी से जुड़े नियमों का पालन जमीनी स्तर पर पूरी तरह नहीं हो पाता। ऐसे में प्रशासन के सामने यह चुनौती होगी कि वह सुनिश्चित करे कि सभी नियोक्ता नए नियमों का पालन करें और श्रमिकों को उनका पूरा अधिकार मिले। अंततः, उत्तर प्रदेश सरकार का यह कदम श्रमिक कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह न केवल श्रमिकों के जीवन स्तर को सुधारने में मदद करेगा, बल्कि राज्य में औद्योगिक संबंधों को भी संतुलित बनाए रखने में सहायक सिद्ध हो सकता है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि यह निर्णय राज्य की अर्थव्यवस्था और श्रम बाजार पर किस प्रकार का प्रभाव डालता है।

पाकिस्तान को लेकर इतना बवाल क्यों?

भारत वसुधैव कुटुम्बकम की नीति पर चलता है और हम तो दिल से दुआ करते हैं कि हमारा पड़ोसी पाकिस्तान भी खूब फले-फूले! मगर पाकिस्तान एक तरफ भीख का कटोरा लेकर घूमता रहता है तो दूसरी ओर आतंक की फैक्ट्री चलाता है। वैसे मुशाहिद हुसैन को मैं याद दिलाना चाहूंगा कि पाकिस्तान ने हाल ही में सऊदी अरब से रक्षा करार किया है तो क्या इससे यूएई नाराज नहीं हुआ होगा? अभी ईरानी हमला सबसे ज्यादा यूएई पर हुआ। दो हजार से ज्यादा मिसाइलें यूएई पर दागी गई लेकिन युद्धविराम की बातचीत में यूएई को शामिल नहीं किया गया। इसीलिए यूएई ने युद्धविराम की तारीफ तो की लेकिन पाकिस्तान का नाम नहीं लिया। ध्यान रखिए मिस्टर मुशाहिद हुसैन कि यूएई बड़े दिल वाला देश है जो अपने यहां मंदिर भी बनाने की इजाजत देता है। वैसे युद्धविराम की घोषणा की तारीफ करते हुए बांग्लादेश ने भी तो पाकिस्तान का नाम नहीं लिया! तो क्या ये मशविरा भी भारत ने दिया? जी नहीं। बांग्लादेश की नई सरकार को समझ में आ गया है कि यदि वह पाकिस्तान की ओर झुकी तो बर्बादी निश्चित है। पाकिस्तान ने मोहम्मद यूनुस के माध्यम से कोशिश की थी कि बांग्लादेश कट्टरपंथी राह पर चले, मगर उसकी आसुरी खुशी टिक नहीं पाई और बांग्लादेश की अवाम ने लोकतंत्र का रास्ता चुना। बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान लिबरल और लोकतांत्रिक सोच वाले व्यक्ति हैं। उनके विदेश मंत्री डॉ. खलीलुर रहमान ने अभी-अभी भारत की यात्रा की। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल के साथ बैठक के बाद एक साथ डिनर किया। अगले दिन विदेश मंत्री एस. जयशंकर, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और पैट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के साथ मुलाकातें हुई और फिर एस. जयशंकर के साथ एक ही विमान में मॉरीशस के लिए रवाना हो गए। पाकिस्तान परेशान है कि दोनों देशों के मंत्रियों में बातचीत क्या हुई? मगर दोनों देशों ने चुप्पी साध रखी है। स्पष्ट है कि बांग्लादेश और भारत एक बार फिर बेहतर रिश्ते की राह पर निकल पड़े हैं।

पूरी दुनिया सांसें थामकर बैठी थी। वो सात अप्रैल की शाम थी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कह दिया था कि होर्मुज नहीं खुला तो ईरानी सभ्यता के लिए आज की रात आखिरी होगी, मगर कुछ ही घंटों बाद पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने घोषणा की कि अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम हो गया है। ट्रम्प ने तेवर बदले और सोशल मीडिया पर दो हफ्ते के युद्धविराम की घोषणा कर दी। इसके साथ ही पाकिस्तान की वाहवाही होने लगी कि उसने वो कर दिखाया जिसकी उम्मीद नहीं थी। भारत में तो नरेंद्र मोदी के विरोधियों के हाथ जैसे जैकपॉट लग गया। पूछा जाने लगा कि इस तरह का समझौता भारत क्यों नहीं करा पाया? पाकिस्तान ने बड़ी कूटनीतिक जीत हासिल कर ली है और भारत को इससे बड़ा झटका लगा है। इस तरह के बयानों को पढ़कर मुझे हैरत हो रही थी। क्या विदेशी मामलों को भी देशी राजनीति के नजरिये से देखा जाना उचित है? क्या इस बात का विश्लेषण नहीं किया जाना चाहिए कि पाकिस्तान मध्यस्थ क्यों बना और क्या भारत के लिए वाकई कोई भूमिका थी? मुझे नहीं लगता कि अमेरिका-इजराइल और ईरान की जंग में भारत के लिए कोई खास भूमिका थी। इसमें कोई संदेह नहीं कि इजराइल हमारा भरोसेमंद दोस्त है, ईरान के साथ भी हमारे रिश्ते मधुर ही रहे हैं लेकिन अमेरिका जानता है कि भारत किसी का पिछलग्गू राष्ट्र नहीं है। भारत जो भी बात करेगा, सोच-समझ कर और 24 कैरेट सच्ची बात ही करेगा। अमेरिका को ऐसा कोई मध्यस्थ नहीं चाहिए था। अमेरिका के लिए पाकिस्तान ही मुफीद राष्ट्र है जो अपनी तमाम अविश्वसनीयता और धोखेबाजी के बावजूद अमेरिका की ही भाषा बोलना और सुनना जानता है। उसने ट्रम्प को शांति दूत तक कह दिया था और शांति का नोबल प्राइज देने की अनुशंसा भी की थी। ऐसा साथी कहां मिलेगा? इसके अलावा ईरान के साथ पाकिस्तान करीब 900 किलोमीटर की सीमा साझा करता है इसलिए ईरान ने भी उसे संदेशवाहक की तरह स्वीकार किया। वैसे चीन भी यही चाहता था कि पाकिस्तान में ही बातचीत हो, इसलिए पाकिस्तान सामने आया। उसकी खुद की क्या ऐसी हैसियत है कि वह अमेरिका को भी किसी बात पर मना ले और ईरान को भी मना ले? इस युद्धविराम में वह महज डाकिये की भूमिका में है। और जहां तक इस्लामाबाद में बैठक का सवाल है तो पाकिस्तान को निश्चित रूप से इसकी वाजिब कीमत भी मिलेगी। वैसे भी पाकिस्तान को इस वक्त मदद की बहुत जरूरत है, क्योंकि संयुक्त अरब अमीरात ने 3.5 अरब डॉलर का कर्ज और डिपॉजिट लौटाने के लिए कहा है। यह कर्ज पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार का लगभग 18 प्रतिशत है। पाकिस्तान चाहता था कि कर्ज का एक्सटेंशन हो जाए, केवल ब्याज देते रहने से काम चले लेकिन लाख मिन्नतों के बावजूद यूएई राजी नहीं हुआ, वैसे कहने वाले तो यहां तक कह रहे हैं कि यूएई ने भारत के उकसावे पर ऐसा कदम उठाया, पाकिस्तान के सीनेटर मुशाहिद हुसैन ने खुद यूएई को यह मशविरा जारी किया कि यूएई में 43 लाख लोग भारत के हैं, ये जो दोस्ती बढ़ रही है उसका नतीजा कहीं ये न हो कि आप भी अखंड भारत का हिस्सा बन जाएं। मेरी नजर में निश्चय ही मुशाहिद हुसैन बकवास कर रहे हैं। भारत वसुधैव कुटुम्बकम की नीति पर चलता है और हम तो दिल से दुआ करते हैं कि हमारा पड़ोसी पाकिस्तान भी खूब फले-फूले!

मगर पाकिस्तान एक तरफ भीख का कटोरा लेकर घूमता रहता है तो दूसरी ओर आतंक की फैक्ट्री चलाता है। वैसे मुशाहिद हुसैन को मैं याद दिलाना चाहूंगा कि पाकिस्तान ने हाल ही में सऊदी अरब से रक्षा करार किया है तो क्या इससे यूएई नाराज नहीं हुआ होगा? अभी ईरानी हमला सबसे ज्यादा यूएई पर हुआ। दो हजार से ज्यादा मिसाइलें यूएई पर दागी गई लेकिन युद्धविराम की बातचीत में यूएई को शामिल नहीं किया गया। इसीलिए यूएई ने युद्धविराम की तारीफ तो की लेकिन पाकिस्तान का नाम नहीं लिया। ध्यान रखिए मिस्टर मुशाहिद हुसैन कि यूएई बड़े दिल वाला देश है जो अपने यहां मंदिर भी बनाने की इजाजत देता है। वैसे युद्धविराम की घोषणा की तारीफ करते हुए बांग्लादेश ने भी तो पाकिस्तान का नाम नहीं लिया! तो क्या ये मशविरा भी भारत ने दिया? जी नहीं। बांग्लादेश की नई सरकार को समझ में आ गया है कि यदि वह पाकिस्तान की ओर झुकी तो बर्बादी निश्चित है। पाकिस्तान ने मोहम्मद यूनुस के माध्यम से कोशिश की थी कि बांग्लादेश कट्टरपंथी राह पर चले, मगर उसकी आसुरी खुशी टिक नहीं पाई और बांग्लादेश की अवाम ने लोकतंत्र का रास्ता चुना। बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान लिबरल और लोकतांत्रिक सोच वाले व्यक्ति हैं।

उनके विदेश मंत्री डॉ. खलीलुर रहमान ने अभी-अभी भारत की यात्रा की। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल के साथ बैठक के बाद एक साथ डिनर किया। अगले दिन विदेश मंत्री एस. जयशंकर, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और पैट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के साथ मुलाकातें हुई और फिर एस. जयशंकर के साथ एक ही विमान में मॉरीशस के लिए रवाना हो गए। पाकिस्तान परेशान है कि दोनों देशों के मंत्रियों में बातचीत क्या हुई? मगर दोनों देशों ने चुप्पी साध रखी है। स्पष्ट है कि बांग्लादेश और भारत एक बार फिर बेहतर रिश्ते की राह पर निकल पड़े हैं। अब इससे पाकिस्तान के कलेजे में आग लगी है तो हम क्या करें? जलना उसकी किस्मत में है तो जलता रहे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार शास्त्री ने कन्दन ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए-9, सराय पीपलथला एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/570, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार शास्त्री, मो. : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2010/00882)

बाबा साहेब की जयंती पर निकली भव्य शोभा यात्रा, जय भीम के नारों से गूंजा भटनी क्षेत्र

भटनी देवरिया।

डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती के पावन अवसर पर भटनी क्षेत्र में एक भव्य एवं विशाल शोभा यात्रा निकाली गई। नीले झंडों और ÷जय भीम÷ के गगनभेदी नारों के साथ निकली इस यात्रा में सैकड़ों की संख्या में भीम सैनिक और अनुयायी शामिल हुए, जिससे पूरा क्षेत्र अंबेडकरमय हो गया।

शोभा यात्रा का शुभारंभ मजूरी चौराहा से हुआ। वहां से यह यात्रा चांदपार चौराहा, महादेवा और भिसादेई होते हुए साहोपार अंबेडकर चौक (अंडरपास) पहुँची। इसके बाद आदर्श चौराहा, 116 नंबर गेट, सुभाष विद्यालय से होते हुए नकहनी चौराहा तक गई। आगे बढ़ते हुए यात्रा नदी पुल, जलपा मंदिर, केवड़ा चौराहा और नूरीगंज के रास्ते भटनी ब्लॉक पहुंचकर सम्पन्न हुई। समापन

के उपरांत यात्रा पुनः मजूरी चौराहा लौटी। इस भव्य आयोजन का संचालन आयोजन समिति के पदाधिकारियों की देखरेख में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के संरक्षक इंजीनियर गौतम किट्टू सिंह ने उपस्थित लोगों से बाबा

सैकड़ों भीम सैनिकों की भागीदारी, विभिन्न मार्गों से होकर निकली ऐतिहासिक यात्रा

साहेब के विचारों और उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। इस अवसर पर अध्यक्ष रामाश्रय कुमार, उपाध्यक्ष व्यास, सचिव रंजीत कुमार, कोषाध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार एवं व्यवस्थापक रोशन कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यात्रा के दौरान सुरक्षा और अनुशासन का विशेष ध्यान रखा गया। कार्यक्रम में त्रिदेव,अतुल, निखिल,मनीष,अर्जुन, मुकेश,अक्षय सहित सैकड़ों भीम सैनिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पूरे उत्साह के साथ शोभा यात्रा को सफल बनाया।

हजरत अलाउद्दीन शाह के सालाना उर्स के चौथे दिन उमड़ी भीड़, गंगा-जमुनी तहजीब की दिखी मिसाल

भटनी देवरिया । हजरत अलाउद्दीन शाह के सालाना उर्स के चौथे दिन दरबारे मौला अली भटनी शरीफ में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। हतवा प्राइमरी टोला काली मंदिर परिसर में दूर-दराज से आए जायरिनों की भीड़ देखने को मिली। श्रद्धालुओं ने मजार पर धूप-अगरबत्ती जलाकर और चादर चढ़ाकर मौला अली से अमन-चैन और खुशहाली की दुआएं मांगी। दरबारे मौला के सज्जादानशीन अमजद अली उर्फ तमन्ना द्वारा 101 कन्याओं को चुनरी ओढ़ाकर भोज कराया गया, जो आकर्षण का केंद्र रहा। वहीं शाम के समय मंदिर परिसर में भक्ति गीतों से माहौल भक्तिमय हो उठा। हर वर्ष की भांति

चादरपोशी, कन्याओं को चुनरी ओढ़ाकर भोज, सामाजिक रत्न सम्मान समारोह का आयोजन

इस वर्ष भी गंगा-जमुनी तहजीब की अनूठी मिसाल पेश करते हुए सज्जादानशीन तमन्ना द्वारा मंदिर से चादर उठाकर मौला के दरबार में पेश की गई। इसके पश्चात जायरिनों ने मजार पर दर्जनों चादरपोशी की। उर्स के अवसर पर मौला दरबार में सामाजिक रत्न सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के दर्जनों गणमान्य लोगों को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अफरोज अलाउद्दीन, कमरूद्दीन साबरी, नूर आलम खां, वीरेन्द्र जितेन्द्र पाण्डेय, सैय्यद कैफ सैफ, प्रमोद सिंह, प्रकाश सिंह, प्रशांत सिंह, रंजू सिंह, दानिश, नसीम अहमद, आबिद अली, आफताब खां, निश्चल चौधरी एडवोकेट, मोहम्मद अली,सादाब सुहैल खान,अभय चौरसिया, सैय्यद जुबैर अहमद,आशुतोष अवस्थी,सहजाद रूस्तम,राजीव गुप्ता,कमल भरत,अशोक गुलाटी, तारकेश्वर शर्मा,मिठ्ठलू शर्मा,आदित्य शर्मा,कासिम, अली सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

प्रदेश अध्यक्ष उमेश चंद्र त्यागी, प्रदेश महामंत्री लाल मणि द्विवेदी के नेतृत्व में चल रहा है संगठन

आनंदनगर, महाराजगंज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ ठकुराई जनपद महाराजगंज के जिलाध्यक्ष अजय श्रीवास्तव एवं जिला मंत्री अरुण कुमार सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया है कि महाराजगंज जनपद के ठकुराई गुट की कार्यकारिणी संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ उमेश चंद त्यागी प्रदेश महामंत्री लाल मणि द्विवेदी एवं प्रधान संरक्षक आदरणीय जगदीश पांडेय ठकुराई के नेतृत्व में कार्य कर रही है और आगे भी करती रहेगी। जिलाध्यक्ष ताज अजय श्रीवास्तव ने बताया कि कुछ लोग ठकुराई गुट के प्रांतीय कार्य समिति में नेतृत्व परिवर्तन की अफवाह उड़ा रहे हैं और महाराजगंज कार्यकारी को भी अपने साथ बताते हुए लिखित लिफलेट बांट रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनपद के शिक्षकों के संज्ञान में लाना है कि प्रांतीय अध्यक्ष डॉक्टर उमेश चंद्र त्यागी एवं प्रधान संरक्षक जगदीश पांडेय ठकुराई के नेतृत्व में संगठन शिक्षक हितों के लिए संघर्ष करता रहेगा। उन्होंने बताया कि कुछ स्वार्थी एवं महत्वाकांक्षी लोग ठकुराई गुट के नेतृत्व में चल रहे संघर्ष को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं ऐसे लोगों से उन्होंने सावधान रहने की आवश्यकता बताया है।

भाजपा ने बूथ स्तर पर मनाई बाबा साहेब की जयंती, समरसता दिवस के रूप में किया आयोजन

कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी ने 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती बूथ स्तर पर मनाते हुए उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस दौरान पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों ने बाबा साहेब की प्रतिमाओं व चित्रों पर माल्यार्पण कर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला तथा उनके विचारों से प्रेरणा लेने का संकल्प लिया। इसी क्रम में रविन्द्रनगर स्थित भाजपा कार्यालय पर आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। जिलाध्यक्ष ने कहा कि बाबा साहेब की जयंती पार्टी के छह अनिवार्य कार्यक्रमों में शामिल है और हर वर्ष विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जाता है। इस वर्ष भी जनपद के सभी बूथ, मंडल और जिला स्तर पर जयंती को समरसता दिवस के रूप में मनाते हुए उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान को याद किया गया।

बाबा साहब के संविधान ने सिखाई जीने की राह - वीरेंद्र चौधरी

फरेंदा, महराजगंज।

यह नीले झंडे और बाबा साहब की लिखी हुई संविधान की ताकत है कि आज उन्हें भी इस ताकत के सामने झुकना पड़ा रहा है जो संविधान की धज्जियां उड़ाई रहे हैं। यह बात बाबा साहब डाक्टर भीमराव अम्बेडकर की 135 वीं जयंती पर आयोजित अपने विधानसभा क्षेत्र में कई स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में उपस्थित बतौर मुख्य अतिथि कांग्रेस विधायक वीरेंद्र चौधरी ने कही।

उन्होंने बिना किसी पार्टी का नाम लिए कहा कि संसद में बाबा साहब के खिलाफ अपनी मानसिकता का प्रकटीकरण करने वाले लोग भी आज बाबा साहब की मूर्तियां के समक्ष नतमस्तक होकर उनका गुणगान करने को मजबूर हैं। फरेंदा कस्बे के अंबेडकर तिराहे पर अंबेडकर महासभा तहसील ईकाई के अध्यक्ष भीमसेन गौतम की अध्यक्षता में आयोजित बाबा साहब की जयंती कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक

विरेंद्र चौधरी ने कहा कि अम्बेडकर एक नाम नही एक विचार धारा है। उनके लिखे संविधान की वजह से ही आज हम सुरक्षित हैं। आज देश बाबा साहब के बनाये संविधान से चल रहा है। युग द्रष्ठा राष्ट पुरुष बाबा साहब डाक्टर भीमराव अम्बेडकर ने संविधान में ऊंचे नीच का भेदभाव खत्म करने का काम किया है। सभी को बराबरी का दर्जा हासिल है। कानून की नजर में सब एक हैं। बाबा साहब का लिखित संविधान ही है जिसमें सभी को शिक्षा का अधिकार से लगाया सम्मान के साथ जीने का अधिकार निहित है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि नगर पंचायत के अध्यक्ष प्रतिनिधि राजेश जायसवाल ने बाबा साहब के योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि आज हम सब जो भी कुछ हैं बाबा साहब की ही बदौलत है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महासभा के अध्यक्ष भीमसेन गौतम ने कहा की बाबा साहब के मिशन को पूरी ताकत से जारी रखेंगे।

कार्यक्रम को मुख्य रूप से रामनारायण चौरसिया, गंगा पासवान, युवराज कुमार, रणविजय साहब,कृष्ण कुमार, रामनरेश पासवान, दयानंद राव, संजय राव, जय भारत कनौजिया, अरविन्द मौर्या आदि ने संबोधित करते हुए बाबा साहब के कार्यों और उनके योगदान की सरहना की।

न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र महादेव में लगी भीषण आग

आनंदनगर महाराजगंज । फरेन्दा थाना क्षेत्र के ग्राम सभा महादेव दुबे में स्थित न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर अचानक भीषण लगी आग जिसमें लाखों रुपए के संसाधन जल कर नष्ट हो गये आग की सूचना पाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फरेन्दा के अधीक्षक एमपी सोनकर घटना स्थल पर पहुंचकर आग लगने व आग से हुये नुकसान का जांच पड़ताल किया। मिली जानकारी के अनुसार 14 अप्रैल को दिन में लगभग 11:00 बजे फरेंदा थाना क्षेत्र के ग्राम सभा महादेव दुबे में स्थित न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र महादेवा दुबे मैं अचानक भीषण आग लग गयी जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक अस्पताल में मौजूद लाखों रुपए के फर्नीचर सहित संसाधन जलकर नष्ट हो गये। अस्पताल पर ओपीडी देख रहे डॉक्टर सी बी पाण्डेय व अन्य चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने बताया कि वह लोग अपने-अपने कार्य में लगे हुए थे मरीज का जांच इलाज कर रहे थे तभी अचानक तेज आग की लवर को देखकर जो अस्पताल में कई तरफ से फैला हुआ था सभी लोग अपने कार्यों को छोड़कर भाग कर किसी तरह अपनी जान को बचाएं। स्थानीय लोगों ने बताया कि पीछे खेत में डंठल जल रहा था और अस्पताल में भी कई दिशाओं से एक साथ आग लगा हुआ था आग की सूचना सीएससी फरेंदा एवं दमकल विभाग को दिया गया। तमाम स्थानीय लोगों ने बताया कि अस्पताल तक जाने के लिए ग्रामीणों द्वारा रास्ते पर भी अतिक्रमण कर लिया गया है जिससे दमकल भी नहीं पहुंच सकता है आग की सूचना पाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फरेंदा के अधीक्षक डॉक्टर एमपी सोनकर घटना स्थल पर पहुंचकर आग व आग से हुए अस्पताल के संसाधनों के नुकसान की जांच पड़ताल मौके पर कर उच्च अधिकारियों को सूचना दिया।

डॉ. अंबेडकर जयंती पर कलेक्ट्रेट में आयोजित कार्यक्रम में अधिकारियों ने दी श्रद्धांजलि

कुशीनगर। डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर कलेक्ट्रेट कक्ष में एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें अधिकारियों व कर्मचारियों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने डॉ. अंबेडकर के जीवन, संघर्ष और उनके अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी अदम्य साहस और कड़ी मेहनत से उच्च शिक्षा प्राप्त की तथा समाज में समानता, न्याय और अधिकारों की स्थापना के लिए निरंतर कार्य किया। उन्होंने बताया कि डॉ. अंबेडकर भारतीय संविधान के शिल्पकार थे और स्वतंत्रता के बाद संविधान निर्माण में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही, जो आज देश के हर नागरिक को समान अधिकार और न्याय प्रदान करने का आधार है। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि देश के प्रथम कानून मंत्री के रूप में डॉ. अंबेडकर ने महिलाओं के अधिकारों, श्रमिकों के हितों, सामाजिक न्याय तथा अनुसूचित जाति-जनजाति व अन्य पिछड़ा वर्ग के उत्थान के लिए कई ऐतिहासिक और जनकल्याणकारी कानूनों के निर्माण में अहम योगदान दिया। कार्यक्रम में उनके जीवन को सामाजिक भेदभाव, असमानता और अन्याय के खिलाफ संघर्ष का प्रतीक बताते हुए उनके विचारों को आज भी प्रासंगिक बताया गया। अंत में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके आदर्शों को अपनाने तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और अधिकार पहुंचाने का संकल्प लिया।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से बदलेगी देश की दिशा- डॉ. ममता मणि त्रिपाठी

पडरौना,कुशीनगर। वर्ष 2026 को भारतीय राजनीति के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए उदित नारायण स्नातकोत्तर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. ममता मणि त्रिपाठी ने कहा कि यह वर्ष मातृशक्ति के लंबे संघर्ष की सफलता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को अधिकार देने के साथ-साथ देश की दिशा और दशा बदलने में अहम भूमिका निभाएगा। मंगलवार को अपने कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि करीब 27 वर्षों तक चली बहस के बाद यह ऐतिहासिक विधेयक पारित हुआ है, जो सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस अधिनियम के प्रभावी होने से महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व में वृद्धि होगी और समावेशी विकास को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि

आज महिलाएं केवल मतदाता तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सक्रिय रूप से राजनीति में भागीदारी कर रही हैं, जो लोकतंत्र की मजबूती का संकेत है। इस कानून से महिलाओं की सहभागिता और नेतृत्व क्षमता दोनों में वृद्धि होगी तथा वे राजनीतिक क्षेत्र में एक सशक्त भूमिका निभाएंगी। डॉ. त्रिपाठी ने विश्वास जताया कि यह अधिनियम महिलाओं की स्थिति में सकारात्मक बदलाव लाएगा और उनके नेतृत्व के माध्यम से समावेशी शासन को बल मिलेगा। साथ ही यह देश को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को हासिल करने में भी सहायक सिद्ध होगा।

बाबा साहेब के सिद्धांतों से ही सशक्त समाज का निर्माण संभव- असलम अंसारी

कुशीनगर।

ग्राम सभा चौपरिया में डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी धूमधाम, हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत ग्राम प्रधान असलम अंसारी उर्फ भोला के भैया ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित व माल्यार्पण कर की। इस दौरान वक्ताओं ने उनके जीवन, संघर्ष और विचारों पर प्रकाश डालते हुए श्रद्धांजलि दी। ग्राम प्रधान असलम अंसारी ने कहा कि बाबा साहेब द्वारा दिखाया गया समानता, न्याय और शिक्षा का मार्ग आज भी पूरी तरह प्रासंगिक है।

उनके सिद्धांतों पर चलकर ही सशक्त, समृद्ध और समरस समाज का निर्माण संभव है। इस दौरान बच्चों ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिससे माहौल उत्साहपूर्ण हो गया। उपस्थित लोगों ने सामाजिक समरसता, भाईचारा और जागरूकता को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में लाल बहादुर, नत्थू प्रसाद, महेंद्र प्रसाद, राम बच्चन गुप्ता, तारकेश्वर गोंड, चन्द्रशेखर, सुकट प्रसाद, लक्ष्मन प्रसाद, जितेंद्र प्रसाद, राम राजा प्रसाद, किशुन, शिवकुमार, जवाहर प्रसाद सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। अंत में ग्राम प्रधान ने सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया और कहा कि ऐसे आयोजन समाज को एकजुट करने के साथ महान व्यक्तित्वों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने में सहायक होते हैं। कार्यक्रम के उपरांत जुलूस भी निकाला गया।

माई लॉर्ड! खुली कोर्ट में सुनवाई करें...कपिल सिब्बल के साथ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे खालिद

नई दिल्ली । दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में 5 साल से ज्यादा समय से जेल में बंद सोशल एक्टिविस्ट उमर खालिद ने एक बार फिर से न्याय के लिए देश की सर्वोच्च अदालत का रुख किया है। खालिद ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा 5 जनवरी 2026 को उनकी नियमित जमानत याचिका खारिज करने के फैसले के खिलाफ एक पुनर्विचार याचिका दायर की है। इस याचिका के माध्यम से उन्होंने ना केवल पिछले फैसले की समीक्षा की मांग की बल्कि एक महत्वपूर्ण प्रक्रियात्मक अनुरोध भी किया। उमर खालिद को दिल्ली पुलिस ने 13 सितंबर 2020 को गैर कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम यानी यूएपीए के तहत गिरफ्तार किया था। तब से वे न्यायिक हिरासत में है। 13 अप्रैल 2026 को दायर अपनी ताजा याचिका में खालिद ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया है कि उनकी पुनर्विचार याचिका पर इन चेंबर के बजाय ओपन कोर्ट यानी खुली अदालत में सुनवाई की जाए। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने

जस्टिस अरविंद कुमार की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष इस मामले का उल्लेख किया। सिब्बल ने तर्क दिया किक क्योंकि यह मामला व्यक्तिगत स्वतंत्रता और लंबे समय तक जेल में रहने से जुड़ा हुआ है। इसलिए इस पर खुली अदालत में बहस होना न्यायसंगत होगा। अदालत ने इस पर विचार करने और बुधवार या गुरुवार तक इसे सूचीबद्ध करने का संकेत दिया है। जनवरी 2026 का सुप्रीम कोर्ट का फैसला। इससे पहले 5 जनवरी को जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थी। उस समय अदालत ने अपने 123 पन्नों के विस्तृत आदेश में कहा था कि रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री से प्रथम दृष्टया यह प्रतीत होता है कि खालिद के खिलाफ आरोप सही है। अदालत ने दिल्ली पुलिस के इस तर्क को स्वीकार किया कि खालिद दंगों की योजना बनाने, फंड जुटाने और भीड़ को उकसाने में केंद्रीय भूमिका यानी मुख्य भूमिका में थे।

सोनीपत में सीएम सैनी को आपत्तिजनक शब्द कहे- फेसबुक पर डाले वीडियो में जनप्रतिनिधियों को दी गाली

नई दिल्ली । देश के प्रधान मंत्री पीएम मोदी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। पीएम नरेंद्र मोदी ने बाबा साहेब अंबेडकर के योगदान को याद करते हुए एक्स पर एक पुराने थ्रोबैक वीडियो को शेयर किया। इसमें पीएम मोदी यह कहते दिख रहे है कि आज का दिन देश के इतिहास का बहुत बड़ा दिन है। पीएम मोदी ने कहा कि अंबेडकर केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक संकल्प हैं। बाबा साहेब ने अपने जीवन को संघर्ष से जोड़ा और समाज की बुराइयों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। इसी कड़ी में सीएम योगी ने उनका जीवन सभी के लिए सदैव पथप्रदर्शक रहेगा। आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा,

समता, न्याय और बंधुत्व के उच्च आदर्शों से आलोकित, समरस एवं समावेशी समाज की आधारशिला रखने वाले भारतीय संविधान के शिल्पकार भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि। उन्होंने कहा, अंत्योदय और लोक-कल्याण के प्रति समर्पित बाबा साहेब सच्चे अर्थों में मां भारती के अमूल्य रत्न हैं। उनका प्रेरक जीवन हम सभी के लिए सदैव पथप्रदर्शक रहेगा।

संविधान निर्माता, समाज सुधारक

डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर, जिन्हें बाबा साहेब के नाम से जाना जाता है, भारत के महान संविधान निर्माता, समाज सुधारक और दलितों के अधिकारों के अग्रदूत थे। उनका जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महू (अब डॉ. अंबेडकर नगर) में हुआ था। वे एक दलित परिवार से थे और बचपन से ही उन्हें सामाजिक भेदभाव का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने कठिन परिस्थितियों के बावजूद शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाया।

6 दिसंबर 1956 को हुआ निधन

6 दिसंबर 1956 को उनका निधन हो गया, लेकिन उनके विचार आज भी समाज को दिशा देते हैं। बाबा साहेब अंबेडकर का जीवन संघर्ष, शिक्षा और समानता की मिसाल है, जो हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा।

पिंगला में ममता का बीजेपी पर बड़ा वार, एनआरसी -डिलिमिटेशन और ईवीएम पर उठाए सवाल; बोलीं- लोकतंत्र से देंगे जवाब

पिंगला (पश्चिम बंगाल) ।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और भवानीपुर सीट से टीएमसी उम्मीदवार ममता बनर्जी ने पिंगला में आयोजित एक जनसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने उत्तर प्रदेश की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि आजकल उत्तर प्रदेश जल रहा है और आरोप लगाया कि भाजपा बंगाल में भी उसी तरह की राजनीति लाना चाहती है। ममता बनर्जी ने कहा कि योगी बाबू यहां आकर भाषण देते हैं और कहते हैं कि बंगाल में बुलडोजर चलेगा, लेकिन बंगाल में बुलडोजर नहीं चलता। यहां लोग 'प्रणाम', 'जय हिंद' और 'वंदे मातरम' कहते हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा शासित राज्यों में बंगाल के लोगों के साथ दुर्व्यवहार होता है। उनके

मुताबिक जब बंगाल के लड़के-लड़कियां बीजेपी शासित राज्यों में जाते हैं, तो उन्हें प्रताड़ित किया जाता है और बंगाली बोलने पर उन्हें घुसपैठिया कहा जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता इसका जवाब लोकतंत्र के माध्यम से देगी। उन्होंने चेतावनी दी कि इसी महीने डिलिमिटेशन बिल लाया जा सकता है, जो बंगाल को विभाजित कर सकता है। साथ ही उन्होंने इसे लागू करने की आशंका भी जताई। ममता बनर्जी ने अपने भाषण में चुनावी प्रक्रिया को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि इस बार की लड़ाई अलग है और भाजपा किसी भी तरह से बंगाल पर कब्जा करना चाहती है। उनका आरोप है कि लाखों लोगों के नाम वोटर लिस्ट से काट दिए गए हैं और बंगाल के फंड को रोक दिया गया है। ईवीएम और वीवीपैट मशीनों को लेकर भी उन्होंने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि मशीनों की जांच सावधानी से होनी चाहिए और आरोप लगाया कि अगर मशीन खराब होती है तो उसे बदला नहीं जाएगा, बल्कि उसमें चिप डालने की योजना है। अपने संबोधन के दौरान ममता बनर्जी ने भाजपा पर कड़ा हमला करते हुए कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में ऐसी राजनीति पहले कभी नहीं देखी। उन्होंने कहा मैं सात बार सांसद और चार बार केंद्रीय मंत्री रही हूं। मैंने कई प्रधानमंत्रियों को देखा है, लेकिन इतनी निरंकुश, भ्रष्ट और हिंसक सरकार कभी नहीं देखी।

बिहार के नए सीएम बनेंगे सम्राट चौधरी

पटना। सम्राट चौधरी को बिहार का नया मुख्यमंत्री चुने जाने पर मुहर लग गई है। भाजपा विधान मंडल दल की अहम बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक में वरिष्ठ नेताओं और विधायकों की मौजूदगी रही। सर्वसम्मति से उनके नाम पर सहमति बनने की बात सामने आई है। इस फैसले के बाद राज्य की राजनीति में नया अध्याय शुरू होने जा रहा है। समर्थकों में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

नेतृत्व परिवर्तन से बदले समीकरण

बिहार में सत्ता परिवर्तन के साथ ही राजनीतिक समीकरण भी बदल गए हैं। नीतिश कुमार के इस्तीफे के बाद यह बदलाव संभव हुआ। भाजपा ने नए नेतृत्व के रूप में सम्राट चौधरी पर भरोसा जताया है। इसे पार्टी की रणनीतिक चाल के रूप में देखा जा रहा है। आगामी

चुनावों को ध्यान में रखकर यह निर्णय अहम माना जा रहा है। सियासी हलकों में इसकी व्यापक चर्चा हो रही है।

संगठन और अनुभव बना ताकत

सम्राट चौधरी लंबे समय से भाजपा संगठन से जुड़े रहे हैं। उन्होंने पार्टी में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं। प्रदेश अध्यक्ष के रूप में भी उनकी भूमिका अहम रही है। सरकार में मंत्री और उपमुख्यमंत्री के तौर पर अनुभव हासिल किया। उनकी प्रशासनिक क्षमता को पार्टी ने प्राथमिकता दी है। यही वजह है कि उन्हें मुख्यमंत्री पद के लिए चुना गया।

कल होगा शपथ ग्रहण

कल शपथ ग्रहण समारोह

- सम्राट चौधरी बिहार के नए मुख्यमंत्री, भाजपा विधान मंडल दल ने चुना।
- नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद बिहार में बड़ा राजनीतिक बदलाव।
- आज शपथ ग्रहण समारोह की तैयारी, नई कैबिनेट का गठन होगा।

आयोजित हो सकता है। राजभवन में इसकी तैयारियां शुरू होने की चर्चा है। नई कैबिनेट को लेकर भी मंथन जारी है। कौन-कौन मंत्री बनेगा, इस पर विचार किया जा रहा है। संतुलन साधने की कोशिश पार्टी स्तर पर चल रही है। औपचारिक घोषणा का इंतजार किया जा रहा है।

कार्यकर्ताओं में जश्न का माहौल

सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने की खबर से कार्यकर्ताओं में खुशी है। पार्टी कार्यालयों में जश्न का माहौल देखा जा रहा है। समर्थकों ने मिठाइयां बांटकर खुशी जाहिर की। सोशल मीडिया पर भी बधाइयों का दौर जारी है। इसे भाजपा के लिए बड़ी राजनीतिक उपलब्धि माना जा रहा है। आने वाले दिनों में इसका असर दिखने की उम्मीद है।

आगे की रणनीति पर टिकी नजर

अब सभी की नजर नई सरकार की कार्यशैली पर टिकी है। विकास और सुशासन को लेकर उम्मीदें बढ़ गई हैं। नई सरकार के एजेंडे को लेकर चर्चा तेज है। राज्य में तेजी से फैसले लिए जाने की उम्मीद जताई जा रही है। राजनीतिक विश्लेषक इसे बड़ा बदलाव मान रहे हैं। बिहार की राजनीति में नया दौर शुरू होता दिख रहा है।

बंगाल के मालदा में रैली के दौरान राहुल गांधी ने पीएम मोदी को घेरा, लगाए कई गंभीर आरोप

कोलकाता । पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के प्रचार के लिए रायगंज और मालदा पहुंचे कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा, आरएसएस और सत्तारूढ़ टीएमसी पर जमकर निशाना साधा। रायगंज में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को 135वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस की नफरत भरी विचारधारा देश के संविधान को खत्म करने की कोशिश कर रही है। राहुल गांधी ने कहा कि अंबेडकर, गांधी और नेहरू ने देश को जो संविधान दिया था, उसे भाजपा सीधे तौर पर नहीं बल्कि संवैधानिक संस्थाओं में अपने लोगों को बिठाकर और वोट चोरी करके नष्ट कर रही है। उन्होंने अपनी भारत जोड़ो यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि उनका मुकाबला नफरत की राजनीति से है और वे नफरत के बाजार में मोहब्बत

की दुकान खोलने आए हैं। प्रधानमंत्री मोदी पर सीधा हमला करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि पीएम उनसे आंखें नहीं मिला सकते। उन्होंने आरोप लगाते हुए पीएम मोदी का कंट्रोल डोनाल्ड ट्रंप के हाथ में है। इसके साथ ही, उन्होंने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर भी चिंता जताते हुए कहा कि इस डील से भारत के लघु और मध्यम उद्योग बंद हो जाएंगे, किसानों को भी भारी नुकसान होगा और देश में बड़े स्तर पर बेरोजगारी बढ़ेगी। इसी दौरान राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए उन्हें देशभक्त के बजाय देशद्रोही करार दिया। राहुल गांधी ने अडानी और पीएम मोदी के संबंधों पर तंज कसते हुए कहा, भाजपा ने एक ऐसा सिस्टम बनाया है जहां पार्टी का पूरा पैसा अडानी के पास है। उन्होंने इसे मोदानी कंपनी करार दिया। उन्होंने यह भी कहा कि अडानी पर अमेरिका में केस चल रहा है और वे देश से बाहर नहीं जा सकते। मालदा की रैली में राहुल गांधी ने मतदाता सूची से नाम हटाए जाने की प्रक्रिया (एसआईआर अभ्यास) को असंवैधानिक बताया। उन्होंने वादा किया कि बंगाल में कांग्रेस की सरकार आने पर उन सभी लोगों के नाम सूची में वापस जोड़े जाएंगे जिनके नाम गलत तरीके से हटाए गए हैं। उन्होंने टीएमसी और वामपंथियों को भी आड़े हाथों लेते हुए कहा कि इन्होंने बंगाल के औद्योगिक क्षेत्र को खत्म कर दिया है।

नोएडा में दूसरे दिन भी बवाल, राहुल बोले- ये श्रमिकों की आखिरी चीख

पुलिस से झड़प, पथराव- 15 कंपनियों की फोर्स, 26 पुलिस अफसर भेजे

गौतमबुद्धनगर (नोएडा) ।

नोएडा, यानी गौतमबुद्ध नगर में सैलरी बढ़ाने की मांग को लेकर फैक्ट्री कर्मचारी मंगलवार को भी सड़कों पर उतर आए। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो झड़प हो गई। भीड़ ने 2-3 जगहों पर पुलिस की गाड़ियों पर पथराव किया। हालांकि पुलिस ने थोड़ी देर में ही हालात पर काबू पा लिया। प्रदर्शनकारियों को वहां से खदेड़ दिया। फिलहाल, पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों के जवान इंडस्ट्रियल इलाकों में सुबह 5 बजे से फ्लैग मार्च कर रहे हैं। सीसीटीवी और ड्रोन से निगरानी की जा रही है। इसके अलावा, पीएसी और आरएएफ की 15 कंपनियां, 26 अफसर (8 एडिशनल एसपी और 18 डीएसपी) नोएडा भेजे गए हैं। आज ज्यादातर कंपनियां बंद हैं। डीजीपी राजीव कृष्ण लखनऊ के कंट्रोल रूम से मॉनिटरिंग कर रहे। कहा- क्षतिग्रस्त संपत्ति की भरपाई भी उपद्रवियों से कराई जाएगी। वहीं, पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने कहा- अब तक 300 से अधिक गिरफ्तारियां की गई हैं। अफवाह फैलाने वाले कुछ ग्रुप आइडेंटिफाई किए गए हैं। कुछ ऐसे लोग हैं, जो अलग-अलग जगहों पर भी पाए गए हैं। 50 X हैंडल के जरिए हिंसा के लिए उकसाया गया।

इधर, यूपी सरकार ने सोमवार देर रात फैक्ट्री कर्मचारियों की सैलरी बढ़ा दी। न्यूनतम मजदूरी दरों में 3000 रुपए तक की बढ़ोतरी की गई है। बढ़ी हुई सैलरी 1 अप्रैल से लागू होगी। सोमवार को बवाल के बाद हाईलेवल कमेटी ने रात में कर्मचारियों के साथ बैठक की। इसके बाद रात डेढ़ बजे सरकार ने आदेश जारी कर कमेटी की सिफारिशों पर मुहर लगा दी।

राहुल बोले- हर आवाज को अनसुना किया गया

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा- कल नोएडा की सड़कों पर जो हुआ, वो देश के श्रमिकों की आखिरी चीख थी, जिसकी हर आवाज को अनसुना किया गया, जो मांगते-मांगते थक गया।

दिल्ली से देहरादून का सफर ढाई घंटे में, पीएम ने एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया

देहरादून । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार 14 अप्रैल को उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के महत्वपूर्ण दौरे के दौरान देहरादून में एक भव्य समारोह में दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए इसे विकास के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि बताया। इस ऐतिहासिक मौके पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी उनके साथ उपस्थित रहे।

शताब्दी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक

जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, आज दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के साथ विकास की इस यात्रा में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। मुझे याद है बाबा केदार के दर्शन के बाद मैंने कहा था कि इस शताब्दी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक होगा। आज यह सच साबित हो रहा है। डबल इंजन सरकार की नीतियों

और यहां के लोगों के परिश्रम से यह युवा राज्य विकास के नए आयाम छू रहा है।

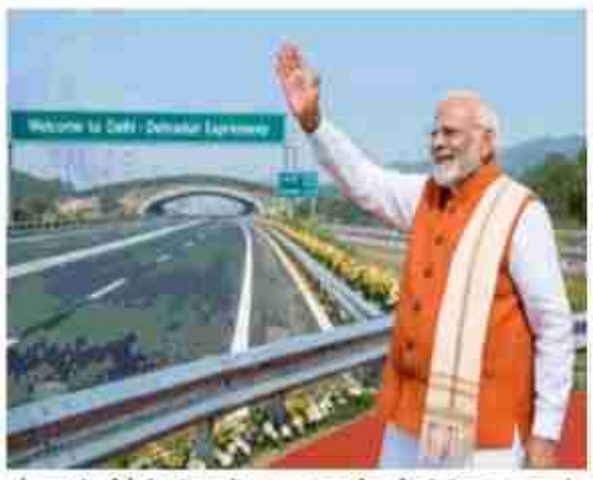

रोड शो के बाद की डाट काली मंदिर में पूजा

उद्घाटन से पहले प्रधानमंत्री सुबह करीब 11-15 बजे उत्तर प्रदेश के सहारनपुर पहुंचे, जहां उन्होंने दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के ऊंचे खंड पर बने वाइल्डलाइफ कॉरिडोर की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने एक भव्य रोड शो भी किया, जहां उमड़े जनसैलाब ने उनका जोरदार स्वागत किया। इसके बाद पीएम देहरादून स्थित डाट काली मंदिर पहुंचे और वहां विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया।

प्रोजेक्ट की खासियत

करीब 12,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से तैयार यह 213 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर आधुनिक इंजीनियरिंग का बेजोड़ नमूना है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता एशिया का सबसे लंबा 12 किलोमीटर का एलिवेटेड वाइल्डलाइफ कॉरिडोर और डाट काली मंदिर के पास बनी 340 मीटर लंबी सुरंग है। इस प्रोजेक्ट के शुरू होने से दिल्ली और देहरादून के बीच की दूरी महज 2.5 घंटे में पूरी की जा सकेगी, जिससे न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा बल्कि क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियां भी तेज होंगी।

मोदी बोले-2029 के चुनावों में बेटियों को उनका हक देंगे

देहरादून में उत्सव जैसा माहौल

प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर पूरे देहरादून शहर में जबरदस्त उत्साह देखा गया। शहर के मुख्य चौराहों और रास्तों को प्रधानमंत्री मोदी, नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के बड़े-बड़े पोस्टरों व झंडों से सजाया गया था।

बस-ट्रक की टक्कर में महिला और बच्चे समेत तीन की मौत, 30 लोग घायल

अलवर । अलवर में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के चैनल नंबर 100 इंटरचेंज पुलिया पर मंगलवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। पिनान गांव के पास चैनल नम्बर 110 की पुलिया के निकट हुए इस हादसे में एक ट्रैवल बस और केमिकल से भरे ट्रक की जोरदार टक्कर हो गई। यह घटना अलवर के राजगढ़ थाना क्षेत्र में हुई, जिससे इलाके में अफरातफरी मच गई। हादसे में बस चालक के साथ एक महिला और एक बालक की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस के आगे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई और घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। इस दुर्घटना में बस में सवार लगभग 30 यात्री घायल हो गए, जिनमें से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। बस इंदौर से दिल्ली जा रही थी और अचानक हुए इस हादसे ने यात्रियों को संभलने का मौका तक नहीं दिया।

शाह की दो टूक- बंगाल में नहीं बनने देंगे बाबरी मस्जिद

मुंबई । पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर धार्मिक मुद्दे ने जोर पकड़ लिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मालदा में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए बाबरी मस्जिद जैसे ढांचे के प्रस्ताव पर कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने साफ कहा कि बंगाल में ऐसी किसी भी संरचना को बनने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने नवगठित आम जनता उन्नयन पार्टी के प्रमुख हुमायूं कबीर को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का एजेंट करार दिया। अमित शाह ने सीधे तौर पर हुमायूं कबीर और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि यह भारत है और यहां कोई भी व्यक्ति बाबरी मस्जिद जैसा ढांचा नहीं बना सकता। उन्होंने यह भी दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनावों के बाद राज्य में सत्ता परिवर्तन होगा और भाजपा ऐसी योजनाओं पर रोक लगाएगी। अमित शाह ने आरोप लगाया कि कबीर, ममता बनर्जी के इशारे पर काम कर रहे हैं और दोनों की सोच एक जैसी है। उन्होंने यह भी कहा कि ममता

कबीर और ममता पर साधा निशाना- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

हुमायूं कबीर को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का एजेंट करार दिया

बनर्जी और उनके सहयोगियों का यह सपना चुनाव परिणाम आने के बाद टूट जाएगा। गजोले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा ममता दीदी और हुमायूं कबीर मुझे ध्यान से सुनें। यह भारत है और यहां कोई भी काबिल आदमी बाबरी मस्जिद नहीं बना सकता। उन्होंने आगे कहा हुमायूं कबीर अपने कान खोलकर सुनें जब मैं कहता हूं कि भाजपा मस्जिद के निर्माण की अनुमति नहीं देगी। ममता बनर्जी और उनके भतीजे को भी पता होना चाहिए कि 5 मई को मस्जिद बनाने के उनके सपने चकनाचूर हो जाएंगे। दरअसल, हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा क्षेत्र में बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक मस्जिद बनाने का प्रस्ताव रखा था। यह मुद्दा तब और विवादित हो गया जब 6 दिसंबर को, बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी पर, इस परियोजना की नींव रखी गई। बताया जा रहा है कि यह मस्जिद करीब 8 एकड़ निजी जमीन पर 86 करोड़ रुपये की लागत से बनाई जा रही है। वहीं, इस मुद्दे को लेकर सियासी आरोप-प्रत्यारोप भी तेज हो गए हैं। एक वायरल वीडियो के जरिए टीएमसी ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए, जिसमें कथित तौर पर कबीर और भाजपा नेताओं के बीच समझौते की बात कही गई। हालांकि, इस वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं हो सकी है। अमित शाह ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि भाजपा किसी भी हालत में हुमायूं कबीर के साथ नहीं जाएगी, भले ही उसे लंबे समय तक विपक्ष में बैठना पड़े।